उत्तर

PREBOARD EXAM- 2 2025-26

Class 10 - हिंदी ए

खंड क - अपठित बोध

1. 1. iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   2. ii. केवल I, II और IV सही हैं।
   3. i. I (1) II (2) III (3)
   4. गाँधी जी ने लोगों को सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया। लोगों को यह मार्ग बहुत पसंद आया और वे निडर होकर उसका अनुसरण करने लगे जब कि कुछ लोगों ने इसका विरोध भी किया।
   5. गाँधीजी के अनुसार पूरे मन से सत्य और अहिंसा को जीवन में अपनाकर उस पर चलने वाले मनुष्यों का जीवन सार्थक हो सकता है। गाँधीजी के बताए रास्ते को अपने जीवन में उतारना मनुष्यता का पर्याय है।
2. I. (ii) सबकी यादें
   II. (iii) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   III. (iii) केवल कथन I और III सही हैं।
   IV. कवि उन सभी राही लोगों को धन्यवाद देना चाहता है, जीवन पथ पर उसे जिस-जिस से स्नेह मिला है।
   V. कवि राही को धन्यवाद देना चाहता है क्योंकि उसके स्नेह से वह अपनी जीवन यात्रा को पूरी कर सका।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. मैंने उस व्यक्ति को देखा और वह पीड़ा से कराह रहा था।
   ii. परिश्रमी व्यक्ति अवश्य सफल होता है।
   iii. प्रधान ? मुख्य उपवाक्य।
   iv. कश्मीरी गेट में जो में निकल्सन कब्रगाह है, वहाँ उनका ताबूत उतारा गया।
   v. स्थानीय कलाकार की मजबूरी थी इसलिए उसने नेताजी की मूर्ति बनाने का काम किया।
4. i. कर्मवाच्य: गाँव की स्त्रियों द्वारा बहू को चुप कराने की कोशिश की जा रही है।
   ii. कर्तृवाच्य: भगत की संगीत साधना का चरम उत्कर्ष देखा।
   iii. कर्मवाच्य: नवाब साहब के द्वारा खीरे को धोकर पोंछ लिया गया।
   iv. भाववाच्य: हम लोगों से / द्वारा क्लास छोड़कर बाहर नहीं आया जा सका / आया गया।
   v. कर्तृवाच्य: भारत रत्न हम को शहनाई पर दिया है, लुंगी पर नहीं।
5. i. सफेद-विशेषण (गुणवाचक) मूलावस्था, पुल्लिंग, विशेष्य घोड़ा का विशेषण।
   ii. खीरा-जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन कर्ताकारक।
   iii. यह-विशेषण (सर्वनामिक), 'भाषा' विशेष्य का विशेषण, अन्य पुरुष, पुरुषवाचक स्त्रीलिंग एकवचन।
   iv. हमेशा-कालवाचक क्रिया विशेषण
   v. **वह-** सर्वनाम, अन्यपुरुष, एकवचन, पुल्लिग।
6. i. अतिश्योकित अलंकार
   ii. उत्प्रेक्षा अलंकार
   iii. रूपक अलंकार
   iv. मानवीकरण अलंकार
   v. अतिश्योकित अलंकार

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

बालगोबिन भगत की संगीत-साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया, जिस दिन उनका बेटा मरा। इकलौता बेटा था वह! कुछ सुस्त और बोदा-सा था, किन्तु इसी कारण बालगोबिन भगत उसे और भी मानते। उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ही ज्यादा नजर रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए, क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज्यादा हकदार होते हैं। बड़ी साध से उसकी शादी कराई थी, पतोहू बड़ी ही सुभग और सुशील मिली थी। घर की पूरी प्रबन्धिका बनकर भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत्त कर दिया था उसने। उनका बेटा बीमार है, इसकी खबर रखने की लोगों को कहाँ फुरसत! किन्तु मौत तो अपनी ओर सबका ध्यान खींचकर ही रहती है।

(i) **(घ)** रामवृक्ष बेनीपुरी
व्याख्या:
रामवृक्ष बेनीपुरी

(ii) **(ख)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या:
सभी विकल्प सही हैं

(iii) **(घ)** नि + वृत्त
व्याख्या:
नि + वृत्त

(iv) **(ग)** विकल्प (i)
व्याख्या:
सुस्त और बोदा

(v) **(क)** एक
व्याख्या:
एक

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:
   (i) हालदार साहब आते-जाते हुए नेताजी की मूर्ति पर चश्मा देख प्रसन्न और उसे न देख दुखी होते थे पर उन्होंने स्वयं कोई कदम नहीं उठाया। इस कथन से पता चलता है कि हालदार साहब देशभक्तों का सम्मान तो करते थे पर स्वयं उसके लिए कोई कदम नहीं उठाते थे। यदि उनकी जगह हम होते तो हम नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगा देते अथवा उसकी कोई उचित व्यवस्था करते न कि किसी और के लगाने का इंतज़ार करते।
   (ii) जीवन में सफल होने के लिए बाहरी रंग-रूप ही महत्वपूर्ण नहीं है। साधारण रूप-रंग की होने के बावजूद, लेखिका ने असाधारण व्यक्तित्व और लेखनी के माध्यम से प्रसिद्धि प्राप्त की। इसके अलावा, पिता द्वारा रूप-रंग के आधार पर किए गए भेदभाव को पार करके, उन्होंने स्वयं निर्णय लेने और कार्य करने की स्वतंत्रता प्राप्त की, जिससे यह स्पष्ट होता है कि बाहरी रंग-रूप के बजाय व्यक्ति की आंतरिक क्षमताएँ और संघर्ष ही उसकी सफलता की कुंजी होती हैं।
   (iii) नवाब साहब ने खीरों को सूँघा और खिड़की से बाहर फेंक दिया। हमारी दृष्टि से उनका यह व्यवहार बिलकुल भी उचित नहीं है। उन्होंने स्वयं को श्रेष्ठ दिखाने के लिए ऐसा किया, पस ऐसा करके वे श्रेष्ठ नहीं बल्कि सनकी सिद्ध हुए जो अपनी झूठी शान के लिए किसी भी हद तक जा सकता है।
   (iv) संस्कृत व्यक्ति वह होता है जो अपनी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को गहराई से समझता और मानता है। उसकी खूबियों में समर्पण, संवेदनशीलता, और समर्पण शामिल हैं। वह समाज के प्रति जिम्मेदार होता है और अपने कृत्यों के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करता है। संस्कृत व्यक्ति का दृष्टिकोण व्यापक और सहिष्णु होता है, जिससे वह विभिन्न संस्कृतियों का सम्मान करता है। उसकी शिक्षा और अनुभव उसे जीवन में सही मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

तब भी कहते हो-कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती।
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे-यह गागर रीती।
किंतु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले-
अपने को समझो, मेरा रस ले अपनी भरने वाले।

(i) **(ग)** दूसरे की दुर्बलताओं का मज़ाक बनाने में
व्याख्या:
दूसरे की दुर्बलताओं का मज़ाक बनाने में

(ii) **(ख)** निराशा व हताशा से
व्याख्या:
निराशा व हताशा से

(iii) **(क)** जीवन रूपी घड़ा
व्याख्या:
जीवन रूपी घड़ा

(iv) **(ख)** कवि के मित्रों ने
व्याख्या:
कवि के मित्रों ने

(v) **(ग)** मित्रों के प्रति विनम्रता
व्याख्या:
मित्रों के प्रति विनम्रता

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:
    (i) हां, मैं इस कथन से सहमत हूँ कि "उत्साह" कविता के माध्यम से कवि ने समाज में परिवर्तन का संदेश दिया है। कविता में कवि ने बादलों से गरजने का अनुरोध किया है, जो सामाजिक परिवर्तन और क्रांति की प्रेरणा का प्रतीक है। यह अनुरोध नवजीवन और नवनिर्माण की पुकार के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिससे शोषित और पीड़ित जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति की दिशा में एक आह्वान किया गया है। बादलों को क्रांति के वाहक के रूप में चित्रित करते हुए, कवि ने समाज में बदलाव लाने की इच्छा और उत्साह को प्रकट किया है।
    (ii) इस वर्ष के पाठ्यक्रम में पढ़ी गई फसल कविता ने मुझे सबसे अधिक प्रभावित किया। यह कविता इसलिए अद्भुत थी क्योंकि फसल वास्तविकता में बहुत-सी चीजों का सम्मिलित रूप है। जैसे की नदियों का पानी, हाथों की मेहनत, भिन्न मिट्टीयों का गुण तथा सूर्य की किरणों का प्रभाव तथा

मंद हवाओं का स्पर्श। इन सभी प्राकृतिक तत्वों के संगम से ही फसल पूर्ण रूप से तैयार होती है।

(iii) गायक सरगम को लाँधकर अनहद में चला जाता है, वह असीम आनन्द- ब्रम्हानंद में डूब जाता है। तब संगतकार मुख्या गायक को सहारा देकर स्थायी रूप देता है, तब मुख्य गायक वापस लौट आता है।

(iv) प्रस्तुत पद हमारी हिंदी की पाठ्य-पुस्तक क्षितिज भाग -2 के अंतर्गत भक्तिकालीन कवि सूरदास द्वारा रचित है। प्रस्तुत पंक्ति में गोपियों के कृष्ण प्रेम और उद्धव के योग धारा का वर्णन है |

गोपियां उधर से कहती है कि अब हमने कृष्ण प्रेम को न त्यागने का पक्का इरादा कर लिया है | तुम्हारी योग साधना के उपदेश का हम पर कोई असर नहीं हो रहा है | हम तो चाहते हैं कि हम कृष्ण को पुकारे कि वह हमारी रक्षा करें और हम से आकर प्रेम करें, पर यहां तो योग की धारा बह रही है जो हमारे समझ के बाहर है।

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) ग्राम्य जीवन और संस्कृति में आज के समय में कई बदलाव आ चुके हैं। पहले गाँव शांत, प्राकृतिक और आत्मीयता से भरा था, जहाँ लोग सरल और सादगीपूर्ण जीवन जीते थे। प्रकृति से गहरा जुड़ाव और खेती-बाड़ी पर निर्भरता थी। खेल और मनोरंजन भी सहज और सुलभ थे। आजकल, गाँवों में आधुनिक तकनीकी साधनों का उपयोग बढ़ गया है, कृत्रिमता का प्रभाव बढ़ा है, और प्रकृति से दूरी बढ़ रही है। शहरी चकाचौंध ने रहन-सहन, खान-पान और मनोरंजन के साधनों को प्रभावित किया है। इस अंतर को सकारात्मक माना जा सकता है, क्योंकि तकनीकी प्रगति ने जीवन को अधिक सुविधाजनक और समृद्ध बनाया है। हालांकि, पारंपरिक सांस्कृतिक मूल्यों और प्राकृतिक सम्पर्क को भी बनाए रखना आवश्यक है।

(ii) लेखक को यह जानने की प्रेरणा लिखने के लिए प्रेरित करती है कि वह आखिर लिखता क्यों है। यह उसकी पहली प्रेरणा है। स्पष्ट रूप से समझना हो तो लेखक दो कारणों से लिखता है- भीतरी विवशता से। कभी-कभी कवि के मन में ऐसी अनुभूति जाग उठती है कि वह उसे अभिव्यक्त करने के लिए व्याकुल हो उठता है। कभी-कभी वह संपादकों के आग्रह से, प्रकाशक के तकाजों से तथा आर्थिक लाभ के लिए भी लिखता है। परंतु दूसरा कारण उसके लिए जरूरी नहीं है। पहला कारण अर्थात् मन की व्याकुलता ही उसके लेखन का मूल कारण बनती है।

(iii) पाठ में **कितना कम लेकर ये समाज को कितना अधिक लौटा देती है**। पंक्ति का उल्लेख समाज की आम जनता के लिए हुआ है। ये आम जनता देश की अर्थव्यवस्था में अप्रत्यक्ष रूप से अपना योगदान देती है। इस वर्ग में मजदूर ड्राईवर, बोझ उठाने वाले, फेरीवाले, कृषि कार्य करने वाले लोग आते हैं। अपनी यूमथांग की यात्रा के दौरान लेखिका ने देखा कि पहाड़ी मजदूर औरतें पर्यटकों की सुविधा के लिए पहाड़ को तोड़कर रास्ता बना रही हैं। रास्ता बनने पर पर्यटकों की संख्या में निश्चित रूप से वृद्धि होगी जिसका सीधा-सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा और देश की विकास दर बढ़ेगी।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) पर्वतीय स्थल की यात्रा एक अविस्मरणीय अनुभव होती है। यहाँ की हरियाली न केवल आँखों को शांति देती है, बल्कि मन को भी ताजगी प्रदान करती है। पर्वतों की ढलानों पर हरियाली ही हरियाली बिखरी होती है, जो एक मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करती है। घुमावदार सड़कें इन पहाड़ी इलाकों की विशेषता होती हैं, जो यात्रा को रोमांचक बनाती हैं। इन सड़कों पर गाड़ी चलाते समय, आप हरे-भरे जंगलों और खूबसूरत नजारों का आनंद ले सकते हैं। पर्वतीय स्थल का सुखद वातावरण एक अद्भुत ठंडक और ताजगी से भरा होता है, जो शहरी जीवन की भाग-दौड़ से एक अच्छा विश्राम प्रदान करता है। यहाँ का शुद्ध वायु और शांतिपूर्ण माहौल आत्मा को शांति और आनंद की अनुभूति कराता है। इस प्रकार, पर्वतीय स्थल की यात्रा एक ताजगी भरी और सुखद अनुभव होती है, जिसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन होता है।

(ii) 25 दिसम्बर का दिन था। प्रातःकाल सात बजे सोकर उठने पर मैंने महसूस किया आज की सुबह पहले से ठंडी है। खिड़की के बाहर देखा तो दूर-दूर तक कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। चारों ओर कोहरा छाया हुआ था।

मन न होते हुए भी मुझे बिस्तर से उठना पड़ा। नित्यकर्म से निपट कर गर्म कपड़े पहनकर घर से बाहर निकला। बाहर बर्फीली हवा चल रही थी। सड़क पर बर्फ भी जमी हुई थी।

यह सब दिसम्बर के समय था हिमाचल प्रदेश के कुल्लु का यह दृश्य था। इस ठंडी सुबह में बहुत ही बहुत कम लोग नजर आ रहे थे। पास की नहर भी जम गई थी पेड़ों के पत्तों पर बर्फ चमक रही थी। बर्फ के छोटे-छोटे कण सूरज के हल्की किरणों से जगमगा रहे थे। चारों ओर निस्तब्धता छाई हुई थी।

मेरा शरीर एक दम सुन्न सा पड़ गया था और काँपने भी लगा था। सामान्य सर्दी में रहने वाले हम इतनी बर्फ वाली ठंड में जो कभी न देखी न ही सही अब तक केवल सपनों आशाओं में कल्पना करते थे आज प्रत्यक्ष देखने व सहने से जीवन का आनन्द मिल रहा था तो आज का दिन याद तो रहेगा ही। इस प्रकार के मौसम से सीख मिलती है कि जीवन के अनेक रंग हैं जिसका आनन्द भी उठाना चाहिए पर अपने स्वाथ्य को ध्यान में रखकर।

(iii) **हरित ऊर्जा: सुरक्षित**

भूमिका: हरित ऊर्जा का उपयोग आज के समय में अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। यह पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के विकल्प के रूप में उभरी है और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में सहायक है।

अर्थ: हरित ऊर्जा उन ऊर्जा स्रोतों को संदर्भित करती है जो पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं हैं। इसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा और बायोमास ऊर्जा शामिल हैं। ये ऊर्जा स्रोत प्राकृतिक रूप से पुनः उत्पन्न होते हैं और इनका उपयोग पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना किया जा सकता है।

प्रभाव: हरित ऊर्जा के उपयोग से वायु और जल प्रदूषण में कमी आती है। यह ग्रीनहाउस गैसों के उतर्सर्जन को कम करती है, जिससे जलवायु परिवर्तन की गति धीमी होती है। इसके अलावा, यह ऊर्जा सुरक्षा को भी बढ़ावा देती है, क्योंकि यह स्रोत स्थानीय होते हैं और इनकी उपलब्धता निरंतर रहती है।

समस्याएँ: हरित ऊर्जा के कुछ मुद्दे भी हैं, जैसे कि उच्च प्रारंभिक लागत और प्रौद्योगिकी की कमी। सौर और पवन ऊर्जा की निर्भरता मौसम पर

भी होती है, जिससे उनकी स्थिरता प्रभावित हो सकती है।
समाधान: इन समस्याओं के समाधान के लिए, सरकारों को निवेश और अनुसंधान में बढ़ावा देना चाहिए। साथ ही, ऊर्जा संरक्षण और हरित ऊर्जा की तकनीकों की उपलब्धता को बढ़ाना आवश्यक है। सार्वजनिक जागरूकता और सरकारी समर्थन से हरित ऊर्जा का उपयोग बढ़ाया जा सकता है, जिससे एक सुरक्षित और स्वच्छ भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है।

13. सेवा में,
प्रधानाचार्य जी,
बाल भारती उच्च माध्यमिक विद्यालय
दिल्ली,
दिनांक - 30 अप्रैल 2024
विषय - विद्यालय में समसामयिक विषयों की पुस्तकें मँगवाने हेतु।
महोदय,
मैं तनुजा आपके विद्यालय कि छात्र हूँ। हमारे विद्यालय के पुस्तकालय में कुछ सुधार की आवश्यकता है। वर्तमान में, पुस्तकालय की किताबों का चयन और उनकी स्थिति सुधार की मांग कर रही है। कई पुस्तकें पुरानी और उपयोग की नहीं रहतीं, जिससे छात्रों को अध्ययन में कठिनाई होती है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय की सुविधाओं को अपडेट करने की भी जरूरत है, जैसे कि आरामदायक पढ़ाई की जगह और आधुनिक संदर्भ सामग्री। इन सुधारों से न केवल अध्ययन के प्रति उत्साह बढ़ेगा, बल्कि हमारी पढ़ाई की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।
आपके सहयोग के लिए अग्रिम धन्यवाद।
सादर,
अंकित

अथवा

द्वारका
नई दिल्ली
प्रिय मित्र,
पिछले कुछ समय से मैं नोटिस कर रहा हूँ कि आपका व्यवहार थोड़ा उग्र हो रहा है। मैं आपको यह बताना चाहता हूँ कि संयम और मीठी बातचीत का महत्त्व होता है। अगर हम अपने विचारों को प्यार और समझ से व्यक्त करेंगे, तो अधिक असंतोष और संघर्ष का सामना नहीं करना पड़ेगा। आपके व्यवहार का बदलता तरीका मुझे चिंतित कर रहा है, क्योंकि यह आपकी पहचान का हिस्सा है। संयमित व्यवहार और मीठी बातचीत हमेशा अच्छे संबंधों के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। मैं समझता हूँ कि जीवन की चुनौतियों से हमें अधिक तनाव हो सकता है, लेकिन हमें अपने व्यवहार को नियंत्रित करना आवश्यक है। मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि आप अपने बोलने के तरीके पर ध्यान दें और संयमित रहें, ताकि हमारी मित्रता और आपके अच्छे संबंध बने रहें। हम इसे साथ मिलकर सुलझा सकते हैं। आशा है कि आप मेरे सुझाव को ध्यान में रखेंगे।
आपका,
सचिन
रोहिणी सेक्टर 6
नई दिल्ली

14. प्रति,
आयुक्त
दिल्ली नगर निगम
सिविल लाइंस क्षेत्र
16, राजपुर रोड, दिल्ली।
विषय- प्राथमिक अध्यापक पद हेतु आवेदन-पत्र।
मान्यवर,
दिनांक 05 मई, 20xx के 'जनसत्ता' दैनिक समाचार-पत्र से ज्ञात हुआ कि सिविल लाइंस क्षेत्र में प्राथमिक कक्षा के बच्चों को पढ़ाने के लिए अध्यापकों के कुछ पद रिक्त हैं। मैं भी इस पद के लिए अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ। मेरा संक्षिप्त व्यक्तिगत विवरण इस प्रकार है-
नाम - गोविन्द कुमार
पिता का नाम - श्री राम रतन
जन्मतिथि - 10 अक्टूबर, 1992
पता - A2/127, अभिनव इंक्लेव, सेक्टर-15, रोहिणी, दिल्ली।
शैक्षणिक योग्यताएँ-

दसवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई० दिल्ली	2007	78%
बारहवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई० दिल्ली	2009	85%
जे.बी.टी.	डाइट केशवपुरम, दिल्ली	2011	70%
कम्प्यूटर कोर्स	एकवर्षीय	2012	
सीटी. ई. टी	सी०बी०एस०ई०	2013	67%

अनुभव- नवोदय शिक्षा संस्थान में प्राथमिक कक्षाओं को पढ़ाने का एक साल का अनुभव।
आशा है कि आप मेरी योग्यताओं पर सहानुभूति विचार करते हुए सेवा का अवसर प्रदान करेंगे।
सधन्यवाद
भवदीय
गोविन्द कुमार
हस्ताक्षर .....
दिनांक 08 मई, 20xx
संलग्न- शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों एवं अनुभव प्रमाण-पत्र की छाया प्रति।

अथवा

प्रेषक(From) – xyz@gmail.com
प्रेषकर्ता (To) – abc@gmail.com
विषय: जल-भराव की समस्या पर त्वरित कार्रवाई के लिए धन्यवाद
माननीय नगर-निगम अधिकारी महोदय,
मैं हरदीप / स्नेहा, आपके द्वारा जल-भराव की समस्या के समाधान के लिए की गई त्वरित कार्रवाई के लिए आपका धन्यवाद करना चाहता/चाहती हूँ। आपकी तत्परता और सहयोग से मुहल्ले में जल-भराव की समस्या का समाधान हो गया है। इससे हमारे निवासियों को बहुत राहत मिली है। कृपया इसी तरह से भविष्य में भी आपकी सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखें।
धन्यवाद!
सादर,
हरदीप / स्नेहा

15.

मतदान : प्रत्येक नागरिक का अधिकार और कर्त्तव्य

भारत निर्वाचन आयोग की तरफ से सर्वसाधारण से अपील किया जाता है कि आप सभी अपने मत के अधिकार का प्रयोग जरूर करें।
हम सभी एक लोकतांत्रिक देश में रहते हैं जहाँ यह हमारा अधिकार बनता है कि हम अपने अनुसार किसी भी सरकार को समर्थन दे अथवा उन्हें चुने।
इसके लिए हमें मतदान जरूर करना चाहिए।

"छोड़ो अपने सारे काम पहले चलो करें मतदान"

चुनाव आयुक्त दिल्ली

अथवा

बधाई सन्देश

दिनांक: 3/XX/20XX
समय: प्रातः 9 बजे
आदरणीय भाई
आज सुबह-सुबह पापा ने फोन करके बताया कि आपका चयन विद्यालय की फुटबॉल टीम के कप्तान के रूप में हुआ है। यह सुनकर तो मेरे पाँव ही ज़मीन पर नहीं पड़ रहे। आप यही चाहते थे और इसके लिए बड़ी मेहनत भी कर रहे थे। आप कबसे इसी पल का इंतजार कर रहे थे। आपको मेरी ओर से ढेर सारी बधाई।
आपका छोटा भाई
क.ख.ग.